पाठ 2. गधे की नादानी

पाठ का उद्देश्य
बच्चे बिना सोचे-समझे किसी की भी बातों में आ जाते हैं अथवा उनपर विश्वास कर उन्हें सही समझ बैठते हैं। इस पाठ के माध्यम से बच्चों को समझाया जा रहा है कि उन्हें सोच-समझकर ही किसी की बात पर विश्वास करना चाहिए। प्रस्तुत पाठ का उद्देश्य बच्चों में सही-गलत को जानने-समझने तथा स्व निर्णय क्षमता का विकास कराना है।

पाठ का सारांश
किसी जंगल में एक गधा रहता था। एक दिन उसे ज़ोर का धमाका सुनाई दिया। वह घबराकर वहाँ से भागा। रास्ते में उसे सियार, बंदर तथा हाथी मिले। गधे ने सभी से कहा कि धरती फट रही है। वे सब भी डर के मारे उसके साथ भागने लगे। सारे जंगल में हड़कंप मच गया। शोर सुनकर जंगल के राजा शेर की नींद टूट गई। वह दहाड़ता हुआ अपनी गुफ़ा से बाहर आया। धरती फटने की बात सुनकर शेर ने पूछा कि धरती को फटते हुए किसने देखा है। हाथी, बंदर तथा सियार ने एक-एक कर एक-दूसरे का नाम लेते हुए अंत में गधे का नाम लिया। गधा सभी को उस स्थान पर ले गया, जहाँ यह घटना घटी थी। शेर ने सबको बताया कि यहाँ बहुत सारे नारियल के पेड़ हैं। उन्हीं में से किसी से नारियल टूटकर नीचे गिरा होगा, जिससे ज़ोर की आवाज़ के साथ धूल उड़ी होगी। इसी से गधे को लगा होगा कि धरती फट रही है। गधे को अपनी भूल का पछतावा हुआ। वह सबसे माफ़ी माँगने लगा। शेर ने समझाया कि इस तरह बिना सोचे-समझे किसी की बात या अफ़वाहों पर विश्वास नहीं करना चाहिए। अपनी बुद्धि का भी उपयोग करना चाहिए।

अध्यापन संकेत
पाठ का पहले स्वयं आदर्श वाचन करें। बच्चों से ध्यान से सुनने को कहें। यह जानने के लिए कि बच्चे ध्यान से सुन रहे हैं या नहीं बीच-बीच में उनसे प्रश्न भी पूछते जाएँ। कठिन शब्दों का उच्चारण करते हुए श्यामपट्ट पर लिखें तथा उनका अर्थ बताते जाएँ।

बच्चों से पूछिए तथा उन्हें समझाइए—

- उन्हें यह कहानी कैसी लगी? यदि तुम उस जंगल से गुज़र रहे होते तो क्या तुम भी गधे की बात सुनकर उसपर विश्वास कर लेते? अथवा समझदारी से काम लेते हुए पहले सारी बात समझने का प्रयास करते?
- जंगल में रहने वाले तथा घर में रहने वाले (पालतू) पशुओं के बारे में पूछिए।
- उन्हें भिन्न-भिन्न जानवरों के स्वभाव आदि के बारे में बताएँ जैसे—बंदर शरारती होता है, लोमड़ी तथा सियार चालाक होते हैं आदि।
- कहानी पढ़ाते समय बच्चों से पूछें कि क्या वे किसी की भी बात पर विश्वास कर लेते हैं?
- बच्चों से कहानी से मिलने वाली शिक्षा के संबंध में चर्चा कीजिए।
- पाठ के अंत में गधा अपनी गलती के लिए सबसे माफ़ी माँगता है। बच्चों से पूछें कि यदि उनसे कोई गलती अथवा भूल हो जाए तो वे अपनी गलती की माफ़ी माँगते हैं या नहीं। समझाएँ कि गलती होने पर माफ़ी माँगना शिष्टाचार को प्रदर्शित करता है।
- बच्चों की वर्तनी संबंधी अशुद्धियों को दूर करने के लिए पाठ में आए कठिन शब्दों को श्रुतलेख के रूप में बच्चों से लिखवाएँ।

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।